वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम. कॉम (पुराना)

प्रथम वर्ष

सत्रीय कार्य

2025–2026

जुलाई 2025 तथा जनवरी 2026 प्रवेश सत्र के लिए

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 1100 68

सत्रीय कार्य – 2025–2026

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस कार्यक्रम में आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य आपको एक साथ भेजे जा रहे हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इन सत्रीय कार्यों को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

यह सत्रीय कार्य दो प्रवेश सत्र अर्थात् **(जुलाई 2025 और जनवरी 2026)** के लिए वैध है, इसकी वैधता निम्नलिखित है :–

1. जो **जुलाई 2025** में पंजीकृत है उनकी वैधता **जून 2026** तक है।
2. जो **जनवरी 2026** में पंजीकृत है उनकी वैधता **दिसंबर 2026** है।

यदि आप जून सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो इन्हें **15 मार्च** तक अवश्य जमा कर दें। यदि आप दिसम्बर सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो आपके लिए आवश्यक है कि आप इन्हें **15 अक्टूबर** तक अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा कर दें।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**आई. बी. ओ. -03**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**भारत का विदेश व्यापार**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**आई. बी. ओ. -03/ टी. एम. ए. / 2025 – 26**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. विदेशी व्यापार की संरचना के संदर्भ में भारत के बदले हुए विदेशी व्यापार के स्वरूप का वर्णन कीजिए। **(10+10)**

2. राष्ट्रीय निर्यात प्रयासों में वृद्धि हेतु भारत सरकार द्वारा प्रारंभ किये गये प्रयासों की व्याख्या कीजिये । निर्यात क्षेत्र के कौन से प्रमुख क्षेत्रों की सहायता को ध्यान में रखकर यह उपाय अपनाये गये हैं ? **(20)**

3. भारत से निर्यात होने वाले विभिन्न कृषि उत्पादों की व्याख्या कीजिए। **(20)**

4. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए: **(10+10)**

(क) इंजीनियरिंग के सामान का निर्यात

(ख) भारत – ई. यू. व्यापार

5. निम्नलिखित कथनों पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए: **(4x5)**

(क) भुगतान शेष से आशय उन सभी आर्थिक व्यवहारों से है जो किसी समयावधि में देशी एवं विदेशी निवासियों के मध्य किये जाते हैं।

(ख) आर्थिक समृद्धि हेतु विदेशी निवेश को आवश्यक समझा गया।

(ग) भारतीय अर्थव्यवस्था में भारतीय कपड़ा क्षेत्र एक महत्वपूर्ण स्थान धारण करता है।

(घ) सेवाओं में अन्तराष्ट्रीय व्यापार में वृद्धि हुई है।